Title: Need to provide funds to Government of Gujarat for development of tourism in the State.

श्री रतिलाल कालीदास वर्मा (धन्धुका) : महोद्य, गुजराती धरती पावन तीर्थ स्थल होने के साथ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व लौह पुरुष श्री वल्लभ भाई पटेल की जन्म भूमि भी है। धार्मिक दृष्टि से देखा जाए तो विश्व में सर्वाधिक मंदिर निर्माण का रिकार्ड भी गिनीज बुक में गुजरात राज्य का नाम अंकित है। भगवान श्री स्वामी नारायण का मंदिर भावनगर जिले की गढडा तहसील में स्थित है। वल्लभीपुर में त्र्यंबक नाथ महादेव व विरमगांव में राम महल मंदिर बना हुआ है। भोपणी में जगप्रसिद्ध जैन तीर्थस्थान, सोमनाथ में सोमनाथ विराजे हैं व द्वारिका भगवान श्रीकृष्ण की पौराणिक नगरी है। अम्बानी में महाशक्ति का पवित्र धाम, पावागढ़ में महाकाली, चौटिला में मां चामुंडा और भावनगर में खोडिपार का तीर्थ स्थान है। पांडवों का ऐतिहासिक रसोईघर एवं माधवनाथ भगवान का मंदिर धोलका में तथा विरमगांव का मीनल देवी तालाब दर्शनीय स्थल है। कांकरिया तालाब और भरूच में जगप्रसिद्ध सरदार सरोवर डैम है। लेकिन ये सारे दर्शनीय स्थल पर्यटक विकास धारा से वंचित हैं।

अतः मेरा केन्द्र से निवेदन है कि पर्यटन विकास हेतु गुजरात को विशेष राशि उपलब्ध कराएं। साथ-साथ पर्यटकों व दर्शनार्थियों के ठहरने हेतु रीसोर्ट, विश्रामगृह व हाई वे पर रात्रि निवास स्थानों का निर्माण कराएं।